Hindi Murli Quiz 01-10-2015

Q.1) **Q. "मीठे बच्चे - बाप आये हैं तुम बच्चों को -------सिखलाने, जिससे तुम इस दुनिया से पार हो जाते हो, तुम्हारे लिए दुनिया ही बदल जाती है"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें।

A. तैरना
B. योग
C. ज्ञान
D. प्यार

Q.2) **Q."जो बच्चे अभी बाप के मददगार बनते हैं, उन्हें बाप ऐसा बना देते हैं जो आधाकल्प कोई की मदद लेने वा राय लेने की दरकार ही नहीं रहती है। कितना बड़ा बाप है, कहते हैं बच्चे तुम मेरे मददगार नहीं होते तो हम स्वर्ग की स्थापना कैसे करते।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. निम्नलिखित तीन रिक्त स्थानों को एक सबसे उपयुक्त शब्द से भरें -----**
"कोई आई.सी.एस. का ----------पास करते हैं तो समझते हैं बहुत बड़ा ---------पास किया है। अभी तुम तो देखो कितना बड़ा ---------- पास करते हो।"

- इम्तहान
- इम्तहाँ
- इम्तहां
- इम्तिहान
- इम्तिहाँ
- इमतिहान
- IMTIHAAN
- IMTHAAN

Q.4) **Q. "सिर्फ तुम बच्चे ही जानते हो-हम कितना ऊंच ते ऊंच बाप द्वारा ऊंच ------पाते हैं। टीचर भी ------ देते हैं ना, पढ़ा करके। तुमको पढ़ा करके तुम्हारे लिए दुनिया को ही बदल देते हैं, नई दुनिया में राज्य करने के लिए। भक्ति मार्ग में उनकी कितनी महिमा गाते हैं। तुम उन द्वारा अपना ------ पा रहे हो।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त तीनों रिक्त स्थान भरें।

A. वर्सा
B. जीवन
C. पद
D. सुख

Q.5) **Q. इस मैचिंग एक्सरसाइज में उपयुक्त शब्द से ही रिक्त स्थान भरें ---**

	Choice	Match

A	हम आत्मायें अपने घर चली जायेंगी, जहाँ --------आदि नहीं होते।	सूर्य-चाँद ।
B	मीठा-मीठा बाबा आया हुआ है, हमको घर ले जाने के ------- बनाते हैं।	लायक ।
C	तुमको अभी ----------कहा जाता है क्योंकि तुम बाप को अच्छी रीति जानते हो और सृष्टि चक्र को भी ।	आस्तिक ।
D	सतगुरू शिवबाबा कहते हैं हमको तो ------- हैं नहीं। मैं कैसे अपने को पुजवाऊं।	चरण ।
E	बाप के मददगार बन फिर माया से हार खाए तो नाम --------कर देते हैं।	बदनाम ।
F	गायन है विनाश काले विपरीत ------। तुम्हारी है प्रीत ------।	बुद्धि ।

Q.6) **Q. सही वाक्य ही चयन करें-------**

- A. ☑ बाप कहते हैं देह सहित जो कुछ देखते हो, उन सबको भूल जाओ। मामेकम् याद करो।
- B. ☑ माया ने तुमको सतोप्रधान से तमोप्रधान बना दिया है। अब फिर सतोप्रधान वा माया जीते जगतजीत बनना है।
- C. ☑ एक लेक है, कहते हैं उसमें डुबकी लगाने से परियां बन जाते हैं। तुम ज्ञान सागर में डुबकी मार परीजादा बन जाते हो।
- D. ☑ हनूमान, गणेश आदि तो हैं नहीं। परन्तु उनका भावना अनुसार साक्षात्कार हो जाता है।
- E. ☑ शरीर कितना बड़ा है, जिससे कर्म करना है। आत्मा कितनी छोटी है उसमें 84 का चक्र नूँधा हुआ है।

Q.7) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice	Match
A	जो अच्छे सार्विसएबुल बच्चे हैं,	वह विचार सागर मंथन करते रहते हैं कि किसको कैसे समझायें।
B	आत्मा पवित्र बनती है,	तो पारसनाथ बन जाती है।
C	बाप तुमको वैकुण्ठ का साक्षात्कार कराते हैं,मालिक बनाते हैं ।	खुद तो वहाँ रहते नहीं, खुद तो शान्तिधाम में रहते हैं।
D	झाड़ से नम्बरवार आत्मायें आती रहती हैं,	फिर बीच में जा कैसे सकती, जबकि बाप ही यहाँ है।
E	तुम्हारा ओबीडियन्ट सर्वेन्ट टीचर भी है, बाप भी है।	बड़े आदमी नीचे हमेशा लिखते हैं ओबीडियन्ट सर्वेन्ट ।

Q.8) **Q. "हम यहाँ किसी के लाख लेकर क्या करेंगे। राजाई तो गरीबों को मिलनी है। बाप गरीब निवाज है ना। तुम अर्थ सहित समझते हो कि बाप को गरीब निवाज क्यों कहते हैं! भारत भी कितना गरीब है, उनमें भी तुम गरीब मातायें हो। जो साहूकार हैं वह इस ज्ञान को उठा न सकें। गरीब अबलायें कितनी आती हैं, उन पर अत्याचार होते हैं। बाप कहते हैं माताओं को आगे बढ़ाना है। प्रभातफेरी में भी पहले-पहले मातायें हो। सबको सुनाओ दुनिया बदल रही है। बाप से वर्सा मिल रहा है कल्प पहले मुआफिक ।"**

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.9) **Q. धारणा और स्लोगन के आधार पर सही वाक्य चयन करें ----**

- A. ☑ बाप से पूरी-पूरी प्रीत रख मददगार बनना है।
- B. ☑ माया से हार खाकर कभी नाम बदनाम नहीं करना है।
- C. ☐ पुरुषार्थ कर देह सहित जो कुछ दिखाई देता है उसे सदा स्मृति में रखना है।
- D. ☑ अन्दर में खुशी रहे कि हम अभी शान्तिधाम, सुखधाम जाते हैं।
- E. ☐ बाबा ओबीडियन्ट टीचर बन हमको घर ले जाने के लायक बनाते हैं। ना-लायक, कपूत बनना है, सपूत नहीं।
- F. ☑ आकृति को न देखकर निराकार बाप को देखेंगे तो आकर्षण मूर्त बन जायेंगे।

Explanation: 1.पुरूषार्थ कर देह सहित जो कुछ दिखाई देता है उसे भूल जाना है। 2.बाबा ओबीडियन्ट टीचर बन हमको घर ले जाने के लायक बनाते हैं। लायक, सपूत बनना है, कपूत नहीं।

Q.10) **Q. ब्राह्मण जीवन सेवा का जीवन है। माया से जिंदा रखने का श्रेष्ठ साधन सेवा है। ईश्वरीय वा रूहानी सेवा योगयुक्त बनाती है लेकिन सिर्फ मुख की सेवा नहीं, बल्कि -----**

- A. ☑ सुने हुए मधुर बोल का स्वरूप बन सेवा करना
- B. ☑ नि:स्वार्थ सेवा करना,
- C. ☑ त्याग, तपस्या स्वरूप से सेवा करना,
- D. ☑ हद की कामनाओं से परे निष्काम सेवा करना,
- E. ☑ मन्सा सेवा करना अर्थात् मनमनाभव स्थिति में स्थित होना।